भोपाल गैस त्रासदी के विषैले अपशिष्ट का निपटान

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **मध्य प्रदेश सरकार** ने 1984 की भोपाल गैस त्रासदी के लगभग 40 वर्ष बाद, यूनियन कार्बाइड संयंत्र से निकले **337 मीट्रिक टन (MT) विषैले अपशिष्ट** को जलाने का निर्णय लिया।

मुख्य बिंदु

- **केंद्र सरकार ने अपशिष्ट के निपटान के लिये 126 करोड़ रुपए निर्धारित किये हैं।**
  - **इंदौर के पीथमपुर स्थित उपचार भंडारण निपटान सुविधा (TSDF) के भस्मक में निपटान प्रक्रिया 180 दिनों में पूरी होने की उम्मीद है।**
-

  निपटान प्रक्रिया में दूषित स्थल से अपशिष्ट को निपटान स्थल तक ले जाना, उसे अभिकर्मकों के साथ मिश्रित करना और फिर जला देना शामिल है।

  - मध्य प्रदेश भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग (BGTRR) निपटान की देख-रेख करेगा।
- **चुनौतियाँ एवं चिंताएँ:**
  - **पीथमपुर TSDF में अपशिष्ट को जलाने** की योजना को **निवासियों के विरोध का सामना करना पड़ा,** जिसके कारण वर्ष 2015 में आगे की योजना को स्थगित कर दिया गया।
  - राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) **की 2021 की रिपोर्ट में फैक्ट्री के उत्तर में स्थित** सौर वाष्पीकरण तालाबों (SEP) **के सुधार का निर्देश दिया गया था, जो चल रहे पर्यावरणीय प्रदूषण का संकेत देता है।**
    - सौर वाष्पीकरण तालाबों (SEP) का उपयोग **मुख्य रूप से नाइट्रेट की उच्च सांद्रता से संदूषित निम्न-स्तरीय रेडियोधर्मी अपशिष्टों को संग्रहीत करने के लिये किया जाता था।**
  - साइट के आस-पास के बोरवेल के पानी में भारी धातुओं और अन्य संदूषकों के अंश पाए गए हैं, जो स्वीकार्य सीमा से अधिक हैं।
  - गैस त्रासदी के पीड़ितों के पुनर्वास के लिये कार्य कर रहे सामाजिक समूहों ने दहन प्रक्रिया की सुरक्षा के बारे में दावों का खंडन किया है तथा परीक्षण के दौरान **डाइऑक्सिन और फ्यूरान के उच्च स्तर** का पता चलने का हवाला दिया है।

भोपाल गैस त्रासदी 1984

- **भोपाल गैस त्रासदी** इतिहास की **सबसे खराब औद्योगिक दुर्घटनाओं** में से एक थी, **जो 2-3 दिसंबर, 1984 की रात को भोपाल, मध्य प्रदेश में यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड (UCIL) कीटनाशक संयंत्र में हुई थी।**
- इसने लोगों और जानवरों को अत्यधिक विषैली गैस **मिथाइल आइसोसाइनेट (MIC)** के संपर्क में ला दिया, जिससे तत्काल तथा दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रभाव एवं मौतें हुईं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/toxic-wast-dsposal-of-bhopal-gas-tragedy